

এখনো ওঠেনি চাঁদ
এখনো ফোটেনি তারা
এখনো দিনের কাজ
হয়নি-যে মোর সারা
হে পথিক, যাও ফিরে ॥

এখনো বাঁধিনি বেণী
ভুলিনি এখনো ফুল
জ্বালি নাই মণিদীপ
ময মন-মন্দিরে
হে পথিক, যাও ফিরে ॥

পদ্মব-গুর্ণনে নিশি-গঙ্গার কলি
চাহিতে পারে না শাঙ্গে
‘দিবস যায়নি বলি’।
এখনো ওঠেনি চেউ
ধির সরসীর নীরে
হে পথিক, যাও ফিরে ॥

যবে ঝিমাইবে চাঁদ ঘুমে
তখন তোমার শাগি
র'ব একা পথ চেয়ে
বাতায়ন-পাশে জাগি
কবরীর মালা খুলে
ফেলে দেব ধীরে ধীরে
হে পথিক, যাও ফিরে ॥

H.M.V. N 27025॥ শিল্পী : পারম্পর সেন ॥ সুর : কমল দাশগুপ্ত ॥ আধুনিক ॥ তাল : দাদুরা

II সা গা পা | গা ধপা পগা I গা -পা -। | -। -। -।
এ খ নো | ও ঠো নি০ | চাঁ ০ ০ | ০ ০ দ

I	ଶ୍ରୀ ପଣ୍ଡା ଧା ଏ ଖୋ ନୋ	ପମା ମଗା ଗା କୋ ଟେ ନି	I	ଶ୍ରୀ ଗା -ା ତା ରା ୦	-ା -ା -ା ୦ ୦ ୦	I
I	ଗା ମା ପା ଏ ଖ ନୋ	ପା ପଥ -ର୍ମୀ ଦି ଲେ ବ୍ର	I	ଧନ -ା -ା କା ୦ ୦ ୦	ଶ-ଧା ଶ-ପା -ା ୦ ୦ ୦ ଜ୍ଞ	I
I	ପଥ -ଗା ଧ ହୋ ସୁ ନି	ଶ୍ରୀ ଧପା -ା ଯେ ମୋ ବ	I	ଶ୍ରୀ ଗାଃ -ପଃ ସା ୦ ରା ୦	-ା -ା -ା ୦ ୦ ୦	I
I	ପଥ ପମା ନା ହେ ପଂ ଘି	-ା ଧନ -ପା କ ଯା ୦ ଓ	I	ପଥ ଧନ -ା କି ୦ ଲେ ୦	-ପଥ ଶ-ପା -ପା ୦୦ ୦ ୦	I
I	ଗା ମା ଗା ହେ ପ ଘି	-ରା ଶ-ପଥ -ଗା କ ଯା ୦ ଓ	I	ଧନ ପା -ା କି ୦ ଲେ ୦	-ା -ା -ା ୦ ୦ ୦	II
II	{ ପା ପର୍ମ ରୀ ଏ ଖୋ ନୋ	ରୀ ରୀ ର୍ମୀ ବୀ ଘି ନି ୦	I	ରୀରୀ -ର୍ମୀ ବେ ୦ ଘୀ ୦	-ା -ା -ା ୦ ୦ ୦	I
I	ନା ର୍ମୀ ର୍ମୀ ତୁ ଲି ନି	ନ୍ରୀ ଧନ ପଥ ଏ ୦ ଖୋ ନୋ	I	ର୍ମୀ -ା -ନା ଫୁ ୦ ୦	-ର୍ମୀ -ା -ା ୦୦ ୦ ଲ	I
I	ନା ର୍ମୀ ଶଧ ଜ୍ଞ ଲି ୦ ନା	-ପା ଶ୍ରୀ ମଣା ଇ ଯ ମି ୦	I	ଶ୍ରୀ -ା -ଗା ଦୀ ୦ ୦	-ପଥ -ନ୍ରୀ -ର୍ମୀ ୦୦ ୦୦ ପ୍ର	I
I	ଧା ଧନ ଶଧ ମ ମୋ ଘୋ	ପା ମଗା -ା ନ ମୋ ବ	I	ଶ୍ରୀ ପା -ା ଦି ଲେ ୦	-ା -ା -ା } ୦ ୦ ୦	I
I	ପା ପନା ନା ହେ ପଂ ଘି	-ା ଧନ -ପା କ ଯା ୦ ଓ	I	ପଥ ଧନ -ା କି ୦ ଲେ ୦	-ପଥ -ଧା -ପା ୦୦ ୦ ୦	I

I গা মা গা | -রা গপা -ধ্যা I ধ্যা পা -া | -া -া -া II
 হে প থি ক্ষ যাং ০৩ ফি০ রে ০ ০ ০ ০

II { সা -গা গা | মা রগা -মপা I মা গা -া | -রগা -মপা -া |
 প ল ল ব ০৩ ০৩ ঠ নে ০ ০০ ০০ ০

I পা পা পা | জ্ঞা পা ধপা I ধপা পাঃ -মঃ | শ-ধা -া -া |
 নি শি গ ন ধা র০ ক০ লি ০ ০০ ০

I ধ ধ ধ ধ | পমা যগা রা I রগা গৰ্মা -গা | -া -া -া |
 চ ছ তে পাং রে না লাং জে ০ ০ ০ ০

I ধ ধ্যা ধ্যা | পগা -পা গো I ধ পা -া | -া -া -া } |
 দি ব০ স০ যাং য নি ব লি ০ ০ ০ ০

[না না না]

I { পা পনা না | না না নৰ্মা I ধা -না -া | -পা -া -া |
 এ খ০ নো ৪ ঠ নিং তে ০ ০ ০ ০

[-পা -নৰ্মা]

I পা -না না | সৰ্বা রী -সী I সৰ্বা গা -া | -ধা -পধা -নৰ্মা } |
 থি ব স র০ সী ব নী রে ০ ০ ০০ ০০

I গা ধা যগা | -রগা মাঃ -শঃ I ধা পা -া | -া -া -া II
 হে প থি০ ০ক্ষ যা ও ফি রে ০ ০ ০ ০

সা না II { সা পা পা | জ্ঞা ধপা -গা I গমা যপা -া | -া -া -া |
 য বে থি মা ই বে টাং দ শুং যে ০ ০ ০ ০

I	পা পধা -া	মা গা -মা	পধা -গা ক্ষা	-পধাঃ -পঃ -া
	ত খৰ ন তো মা র	লাও ০ গি০	০০ ০ ০	
I	পা পদা গ	গা সা রসা	রসা শ্লা -া	-া শ-ধা -পা
	র বৰ এ কা প থৰ	চে যে ০	০ ০ ০	
I	পদা ধা প	শ্লা পা সা	গসা -ণধা পা	-া -া -া }
	বাও তা য ন পা শে	জাও ০০ গি	০ ০ ০	
I	পা পনা ন	-া না না	ধনা -পধা -নসা	সা -া -া
	ক বৰ সী র মা লা	খু০ ০০ ০০	লে ০ ০	
I	নসা না ধ	পমা মা মণা	গা গা -া	-পধা -ণর্ণা -সা
	ফেৰ লে দে বৰ ধী রেৰ	ধী রে ০	০০ ০০ ০	
I	গা ধপা মা	-গা মা -গা	ধ পা -া	-া -া -া II II
	হে পৰ থি ক যা ও	ফি রে ০	০ ০ ০	